अब झाँसी में लगेगी सेना के टैंक व जहाज का ऑयल फिल्टर करने की यूनिट

जागरण
एक्सक्लूसिव

- ग्रेटर नोएडा की कम्पनि को डिफेन्स कॉरिडोर में मिली 1 हेक्टेयर जमीन
- 8 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की जाएगी इकाई
- अभी विदेश से मँगाया जाता था फिल्टर ऑयल

झाँसी : तेजी से आकार ले रहे डिफेन्स कॉरिडोर को एक और निवेशक मिल गया है। यहाँ सेना के टैंक्स और जहाज के लिए ऑयल फिल्टरेशन यूनिट लगाने पर सहमति बन गयी है और निवेशक को 1 हेक्टेयर जमीन भी उपलब्ध करा दी गयी है। इससे सेना के टैंक और जहाज को फिल्टर्ड ऑयल के लिए विदेश का मुँह नहीं ताकना पड़ेगा।

झाँसी जनपद की गरौठा तहसील के एरच से सटे 6 गाँव की 1,034 हेक्टेयर जमीन में जनरल बिपिन रावत डिफेन्स कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। यहाँ सैन्य उपकरण बनाए जाने हैं, जिसके लिए अभी तक 12 निवेशक करार कर चुके हैं और उन्हें जमीन भी आवण्टित हो गयी है। अब एक और निवेशक को जमीन मिल गयी है। ग्रेटर नोएडा में सेना के टैंक और जहाज के लिए फिल्टर्ड ऑयल बनाने वाली कम्पनि डब्लूटीएफ एंजिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ने 8 करोड़ रुपये की लागत से ऑयल फिल्टरेशन यूनिट स्थापित करने की मंशा जतायी है। आज कम्पनि के हैड प्रखर बिन्दल ने एरच से सटे गेन्दा कबूला जाकर जमीन का अवलोकन किया। उपायुक्त उद्योग मनीष चौधरी ने उन्हें मनचाहे स्थान पर 1076.704 हेक्टेयर जमीन आवण्टित कर दी है। अमेरिका से मिकैनिकल एंजिनियरिंग करने वाले कम्पनि हैड प्रखर बिन्दल ने बताया कि यूनिट में न केवल ऑयल फिल्टरेशन होगा, बल्कि ट्रैकिंग और ट्रेसिंग सिस्टम भी लगाया जाएगा, जिससे पता चल सकेगा कि कण्टेनर वर्तमान में कहाँ है। डिफेन्स कॉरिडोर इसके लिए सबसे उपयुक्त स्थान लगा। उन्होंने इकाई स्थापना के बाद 5 साल के अन्दर 1.50 से 200 करोड़ रुपये के उत्पादन की सम्भावना जतायी है।

इन्होंने कहा

'डिफेन्स कॉरिडोर में बीडीएल (भारत डायनामिक्स लिमिटेड) मिसाइल बनाने की इकाई स्थापित करने जा रही है। कॉरिडोर पहुँचने के लिए सुगम रास्ता नहीं है। इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने 461 करोड़ रुपये का बजट अलग से आवण्टित किया है। आने वाले दिनों में डिफेन्स कॉरिडोर क्षेत्र के औद्योगिक विकास की बुनियाद साबित होगा।'

● मनीष चौधरी
उपायुक्त उद्योग।

अभी यूरोप पर निर्भर है भारत

भारत में अभी यूरोप से सेना के टैंक और जहाज के लिए फिल्टर्ड ऑयल मँगाया जाता है। इससे यह महँगा पड़ता है। भारत में ऑयल फिल्टरेशन प्लाण्ट बनने के बाद न केवल यूरोप से निर्भरता कम होगी, बल्कि उत्पाद सस्ता पड़ने से देश पर आर्थिक बोझ भी कम होगा। यही नहीं यहाँ फिल्टर्ड ऑयल दूसरे देशों में भी भेजा जा सकेगा।

झाँसी : सेना के टैंक्स के लिए ऑयल फिल्टरेशन यूनिट लगाने वाले निवेशक को सम्मानित करते उपायुक्त उद्योग।

यह होता है ऑयल फिल्टर

ऑयल फिल्टर वाहनों के इंजनों में डलने वाले तेल को साफ करने का काम करता है, ताकि उसमें मौजूद गन्दगी, धातु के कण, धूल और कार्बन को हटाया जा सके। इससे इंजन की लाइफ बढ़ जाती है। सेना के वाहनों को अक्सर दुर्गम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए विशेष तरीके से ऑयल फिल्टरेशन की जरुरत पड़ती है।